Mahila College Dalmianagar
Department of History
Dr. Anu Kumari
B.A III   02/02/2024

* अलाउद्दीन खिलजी का जीवन परिचय :—

=> अलाउद्दीन का जन्म 1250 में बंगाल की बीरभूम जिले में हुआ था, उसका नाम जुना मोहम्मद खिलजी रखा गया था। उनके पिता शाहिबुद्दीन मसूद थे जो खिलजी राजवंश के पहले सुल्तान जलालुद्दीन फिरोज खिलजी के भाई थे। बचपन से ही अलाउद्दीन को अच्छी शिक्षा नहीं मिली थी, लेकिन वे शक्तिशाली और महान योद्धा उनके सामने आये।

* अलाउद्दीन खिलजी का साम्राज्य :—

=> सबसे पहले खिलजी को सुल्तान जलालुद्दीन फिरोज के दरबार में अमिर-ए-तुजुक बनाया गया। 1291 में मालिक छज्जू ने सुल्तान के राज्य में विद्रोह कर दिया, इस समस्या को अलाउद्दीन ने बहुत अच्छे से संभाला, जिसके बाद उसे कारा का राज्यपाल बना दिया गया। 1292 में भिलसा में जीत के बाद सुल्तान ने अलाउद्दीन को अवध प्रान्त भी दे दिया।

1296 - 1308 के बीच मंगोल लगातार दिल्ली पर अपना कब्जा करने के लिए, बार-बार अलग-अलग शासकों द्वारा हमला करते रहे अलाउद्दीन ने जालंधर, अमरोहा एवं रवि की लड़ाई में मंगोलियों के खिलाफ सफलता प्राप्त की। बहुत सारे मंगोल दिल्ली के आस-पास ही बस गए और इस्लाम धर्म को अपना लिया। इन्हें नए मुसलमान कहा गया। खिलजी को उन पर विश्वास नहीं था, वो इसे मंगोलियों की एक साजिश का हिस्सा मानता था। अपने साम्राज्य को बचाने के लिए खिलजी ने 1298 में एक दिन उन सभी मंगोलियों जो लगभग 30 हजार के तादाद में थे मार डाला, जिसके बाद उन सभी के पत्नी और बच्चों को अपना गुलाम बना लिया।

1299 में खिलजी को पहली बड़ी जीत गुजरात में मिली, यहाँ के राजा ने अपने दो बड़े जनरल उलुघ खान एवं नुसरत खान को अलाउद्दीन के समस्त प्रस्तुत किया। यहाँ मलिक कफूर खिलजी के मुख्य वफादार जनरल बन गए, खिलजी 1303 में रणथम्बोर के राजपुताना किले में पहली बार हमला किया, जिसमें वो असफल रहा। खिलजी ने यहाँ दूसरी बार हमला किया, जिसमें उनका सामना पृथ्वीराज चौहान के वंशज के राजा राना हमीर देव से हुआ। राना हमीर बहादुरी से लड़ते हुए युद्ध में मारे गए जिसके बाद रणथम्बोर में खिलजी का राज्य हो गया।

1307 मे खिलजी ने बड़े राज्य बंगलाना में हमला किया। जहाँ रामकरण का शासन था। यहाँ खिलजी को सफलता मिली और राम करण की बेटी को छिनली लाकर उसका विवाह खिलजी ने अपने बेटे से किया।

1308 मे खिलजी के जनरल मलिक कमालुद्दीन ने मेवाड़ के सिवाना किले में हमला किया। लेकिन खिलजी की सेना मेवाड़ की सेना से हार गई। खिलजी की सेना को दूसरी बार में सफलता मिली।

1311 मे मबारा इलाके मे मलिक काफूर के कहने पर अलाउद्दीन की सेना ने छापा मारा, लेकिन वहाँ के तमिल शासक विक्रम पंड्या के सामने उन्हे हार का सामना करना पड़ा। हालांकि काफूर भारी धन और सम्पत्ति लूटने में कामयाब रहे।

इस तरह अलाउद्दीन खिलजी का साम्राज्य का विस्तार होता गया वे एक एक साम्राज्य के पाने में युद्ध में सफलता पाते रहे।